सांध्य दैनिक
4PM

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 69 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 13 अप्रैल, 2024

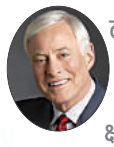

टीमवर्क इतना जरूरी है कि बिना इसके उत्तम बने ये लगभग असम्भव है कि आप अपनी क्षमताओं के चरम पर पहुंचें या जितना चाहते हैं उतने पैसे कमा पाएं।
–ब्रायन ट्रेसी

जिद...सच की

दिल्ली के सामने घर में हारी ... 7 | बयानों के तीर से घायल हो रहे... 3 | कांग्रेस की 17 सीटों के बहाने... 2

वार-पलटवार से गरमाने लगा देश का सियासी माहौल

कांग्रेस–आप और द्रमुक ने बीजेपी पर किए तीखे प्रहार

स्टालिन व उद्धव का दावा- 4 जून के बाद मोदी सरकार का दौर होगा खत्म

» राजग व इंडिया गठबंधन ने तेज किए दौरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे वोटिंग के दिन नजदीक आते जा रहे हैं सियासी वार-पलटवार में तेजी भी आती जा रही है। भाजपा व कांग्रेस में जहां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप जारी है। वहीं इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के निशाने पर भी भाजपा व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। हालांकि सबसे ज्यादा इस समय आप मोदी पर तीखे प्रहार कर रही है।

गौरतलब हो कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह जेल से बाहर आने के बाद लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। उन्होंने शनिवार को एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। वहीं, उन्होंने दावा किया कि तिहाड़ जेल मैनुअल के हिसाब से सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्नी सुनीता से नहीं मिलने दिया जा रहा। संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि भाजपा तिहाड़ प्रशासन पर दबाव बना रही है कि कोई दिल्ली सीएम केजरीवाल से मिलने न पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल की पत्नी सुनीता और सीएम भगवंत मान से भी जंगले में मिलवाया जा रहा है।

इंडिया गठबंधन चार जून को 'सुखद जीत' हासिल करेगा : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन चार जून को सुखद जीत हासिल करेगा। स्टालिन शुक्रवार को राज्य के दौरे पर आये

» राहुल गांधी के प्यारे भाव से भावविभोर हुए सीएम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मैसूर पाक प्राप्त करने पर अभिभूत थे। स्टालिन ने कहा कि उनके भाई के प्यारे भाव ने उन्हें भावविभोर कर दिया। दोनों नेताओं ने कोयंबटूर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें राहुल गांधी कोयंबटूर में उनके (स्टालिन) लिए मैसूर पाक खरीदने के लिए सड़क के डिवाइडर को फांदकर मिठाई की एक दुकान की ओर तेजी से बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। स्टालिन ने कहा, ''मेरे भाई राहुल गांधी के इस प्यारे भाव से भावविभोर हो गया। चार जून को 'इंडिया' (गठबंधन) निश्चित तौर पर जीत हासिल करेगा।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल को करेगा सुनवाई

दिल्ली शराब घोटाले मे गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल को सुनवाई करेगा। केजरीवाल ने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच इस याचिका पर सुनवाई करेगी। बता दें दिल्ली उच्च न्यायालय से कोई राहत पाने में असफल होने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।'आप ने दावा किया था कि, ''तथाकथित आबकारी नीति घोटाला केजरीवाल और उनकी पार्टी को खत्म करने की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश है। आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट मामले में अरविंद केजरीवाल को वैसी ही राहत देगा, जैसी उसने पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को जमानत देकर दी थी।

सीएम केजरीवाल की पत्नी के साथ अपराधियों की तरह हो रहा व्यवहार : संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा, जब अरविंद केजरीवाल की पत्नी ने उनसे मिलने के लिए आवेदन किया तो उनसे कहा गया कि आप उनसे आमने-सामने नहीं बल्कि खिड़की के जरिए मिल सकते हैं बीच में ग्लास होगा। ऐसा अमानवीय व्यवहार क्यों? इसी तिहाड़े जेल में सैकड़ों मुलाकातें आमने-सामने बैठाकर काराई गई हैं। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री की मुलाकात उनकी पत्नी एक अमानवीय तरीके से, अपमानित करने के उद्देश्य से, उनका मनोबल तोड़ने के उद्देश्य से कह दिया कि खिड़की में आपकी मुलाकात होगी। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि खूंखार अपराधियों को भी बैरक में मिलने की इजाजत है, लेकिन दिल्ली के तीन बार के सीएम को अपनी पत्नी से एक खिड़की के माध्यम से मिलने की इजाजत है।

भाजपा कर्नाटक में सरकार गिराने की कर रही साजिश

» सिद्धारमैया का दावा- विधायकों से की गयी 50 करोड़ की पेशकश

» सीएम के आरोपों को बीजेपी ने किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि बीजेपी लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिणी राज्य में ऑपरेशन लोटस चलाने की कोशिश कर रही है। एक चैनल से विशेष साक्षात्कार में, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों को जहाज से कूदने के लिए 50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। यह प्रतिक्रिया तब आई जब सिद्धारमैया से भाजपा के बारे में पूछा गया, उन्होंने आरोप लगाया कि अगर सबसे पुरानी पार्टी कर्नाटक में लोकसभा चुनाव हार जाती है तो उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर जाएगी।

सिद्धारमैया ने कहा, वे पिछले एक साल से मेरी सरकार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। उन्होंने कोशिश की और असफल रहे। यह पूछे जाने पर कि क्या चुनाव हारने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के लिए गिरना आसान होगा,

सिद्धारमैया ने दृढ़ता से इसे खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, संभव नहीं है। हमारे विधायक नहीं छोड़ेंगे। एक भी विधायक हमारी पार्टी नहीं छोड़ेगा। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी।

राजग को अबकी बार सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिलेंगी: सिद्धारमैया

कर्नाटककेमुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा किचुनाव मे विपक्षी गठबंधन इंडिया को भले ही पूर्ण बहुमत न मिले, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिकगठबंधन (राजग) को भी केंद्र मे सरकार बनाने केलिए पर्याप्त सीट नही मिलेगी। राज्य मे लोकसभा चुनाव मे कांग्रेस की संभावनाओ केबारे मे बात करते हुए पार्टी केवरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने विश्वास जताया किउनकी पार्टी कर्नाटकमे 15-20 सीटे जीतेगी। सिद्धारमैया ने न केवल चुनावो केबारे मे टिप्पणी की, बल्किराज्य सरकार मे अपनी स्थिति केबारे मे भी बात की। कर्नाटकमे कांग्रेस सरकार केढाई साल पूरे होने केबाद क्या उन्हे उपमुख्यमंत्री डी केशिवकुमार केलिए मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ेगी, इन अटकलो पर उन्होने कहा कियह इस पर निर्भर करेगा किपार्टी आलाकमान क्या फैसला करता है। सिद्धारमैया ने कहा, यह सब आलाकमान केफैसले पर निर्भर करता है। यदि आलाकमान मुझे पद पर बनाए रखने का निर्णय करता है तो मै बना रहूंगा अन्यथा आलाकमान जो तय करेगा, वैसा ही करूंगा। उन्होने यह भी दोहराया किवह चार साल बाद चुनावी राजनीति मे नही रहेंगे और केवल राजनीति मे सक्रिय रहेंगे।

मुख्यमंत्री फर्जी आरोप लगा रहे : एस प्रकाश

उधर बीजेपी सांसद एस प्रकाश ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सभी आरोपों का खंडन किया और उन्हें दुर्भाग्यपूर्ण बताया। एस प्रकाश ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह केवल समाज के एक वर्ग की सहानुभूति जीतने के लिए बार-बार ऐसे आरोप लगा रहे हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रमुख मुद्दों और कर्नाटक में सिद्धारमैया की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मुख्यमंत्री फर्जी आरोप लगा रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा, लोकसभा चुनाव में कर्नाटक में 28 सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सिद्धारमैया केवल चुनाव के बाद अपने पैर जमाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कांग्रेस की 17 सीटों के बहाने 80 पर नजर

» यूपी: पार्टी पूरे दमखम से लड़ेगी चुनाव, आमजन तक पहुंचने की रणनीति बनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कांग्रेस अपने कोटे के सभी 17 सीटों को हर हाल में जीतने के लिए जान लड़ा देगी। इसी सिलसिले में वह जन-जन तक पहुंचने की तैयारी कर रही है। पार्टी 17 सीटों के सहारे प्रदेश की सभी 80 सीटों पर नजर रख रही है। आम लोगों तक पहुंचने और अपनी बात पहुंचाने का कोई मौका पार्टी छोड़ना नहीं चाहती। यही वजह है कि चुनाव में जमीनी प्रचार-प्रसार के साथ-साथ वह सोशल मीडिया का भी भरपूर इस्तेमाल कर रही है। इसके लिए वह पूरी रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरी हुई है।

पार्टी ने सोशल मीडिया और मीडिया की एक टीम बनाई है, जो सभी लोकसभा क्षेत्रों में मीडिया समन्वय व प्रत्याशी से समन्वय कर स्थानीय मुद्दों को जोर-शोर से उठा रही है। सोशल मीडिया के लिए राज्य स्तर, लोकसभा स्तर व संगठन स्तर पर समन्वय की एक टीम बनाई है। जो सभी प्रमुख मुद्दों पर अपने शीर्ष नेताओं के साथ-साथ स्थानीय नेताओं, पूर्व विधायक, सांसद आदि की बाइट बनाकर यूट्यूब के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित कर रही है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए हर लोकसभा क्षेत्र में एक मीडिया समन्वयक अलग से बनाया गया है। वहीं कांग्रेस ने यूपी में अपने स्टार प्रचारकों के सहारे पूरे राज्य में दौरे प्रारंभ कर दिये हैं।

द्विजेंद्र त्रिपाठी व सुरेंद्र राजपूत बने समन्वयक

पार्टी ने चुनाव अभियान को गति देने के लिए मीडिया विभाग ने विभिन्न चुनाव कमेटियों का गठन किया है। मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने बताया कि चुनाव अभियान को गति देने के लिए स्ट्रेटजिक, प्लानिंग व रिसर्च कमेटी का गठन किया गया है। द्विजेंद्र त्रिपाठी को मीडिया विभाग की 17 सदस्यीय सलाहकार समिति का समन्वयक व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया पैनलिस्ट सुरेंद्र राजपूत को 14 सदस्यीय स्ट्रेटजिक कमेटी का संयोजक, प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. हिलाल अहमद नकवी को 15 सदस्यीय रिसर्च कमेटी का समन्वयक व प्रवक्ता संजीव सिंह को 15 सदस्यीय प्लानिंग कमेटी का समन्वयक नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि लोकसभा मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। लोकसभा क्षेत्रों व संगठन व वार रूम के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए छह जोन के मीडिया इंचार्ज की नियुक्ति भी की गई है।

पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे : मनीष

पार्टी के मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिदवी ने बताया कि हम इसके माध्यम से पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों को भी उठाने का काम कर रहे हैं। साथ ही विपक्ष के वादों की पोल खोलने का भी काम इसके माध्यम से कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रमुख व स्थानीय मुद्दों पर अपने प्रमुख नेताओं, पूर्व विधायक, मंत्री, सांसद की बाइट लेकर उसे आम लोगों तक हर माध्यम से पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फोकस होकर काम करने का एक प्रमुख कारण यह भी है कि आज का युवा इस माध्यम का सर्वाधिक प्रयोग कर रहा है। ऐसे में उस तक अपनी बात पहुंचाने का यह एक अच्छा माध्यम है। वहीं नेताओं की रैली, सभा, जनसंपर्क आदि के कार्यक्रम अलग से चल रहे हैं।

पल्लवी ने पीडीएम गठबंधन के लिए सात प्रत्याशी किए घोषित

» रायबरेली से हाफिज मोहम्मद मोबीन और बरेली से सुभाष पटेल को उतारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल कमेरावादी ने शनिवार को सात लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। डॉ पल्लवी पटेल के उपस्थति में हुई बैठक के बाद पीडीएम गठबंधन के प्रत्याशियों की पहली सूची आज सुबह जारी की गई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजय पटेल ने कहा कि पीडीएम उत्तर प्रदेश मजबूती से चुनाव लड़ेगी। शेष अन्य सीटों पर शीघ्र ही प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी।

पीडीएम ने रायबरेली से हाफिज मोहम्मद मोबीन और बरेली से सुभाष पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, हाथरस से डॉ. जयवीर सिंह धनगर, फिरोजाबाद से प्रेमदत्त बघेल, फतेहपुर से रामकिशन पाल, भदोही से प्रेमचंद बिन्द, चंदौली से जवाहर बिन्द को उम्मीदवार बनाया है।

मेरी पार्टी 'आपकी डिग्री' जैसी नहीं है : उद्धव ठाकरे

» मोदी के बयान पर शिवसेना यूबीटी का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पालघर लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की उम्मीदवार भारती कामदी के समर्थन में मुंबई के पास बोइसर में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 300 का आंकड़ा पार कर भाजपा को हराएगा। शिवसेना-यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फर्जी शिवसेना वाली टिप्पणी को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि मेरी पार्टी 'आपकी डिग्री' जैसी नहीं है।

पालघर लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना की उम्मीदवार भारती कामदी के समर्थन में मुंबई के पास बोइसर में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने यह भी दावा किया कि विपक्षी गठबंधन इंडिया 300 का आंकड़ा पार कर भाजपा को हराएगा। ठाकरे ने कहा कि धरती पुत्रों के अधिकारों की लड़ाई के लिए बाल ठाकरे द्वारा बनाई गई शिवसेना को फर्जी कहा जा रहा है। यह आपकी डिग्री नहीं है, जिसे फर्जी कहा जाये। मोदी ने महाराष्ट्र में इस सप्ताह की शुरुआत में एक रैली के दौरान उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना को फर्जी करार दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, 'इंडिया' गठबंधन की सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम सनातन को खत्म करने की बात कर रही है और सनातन धर्म को मलेरिया व डेंगू से जोड़ रही है। वहीं कांग्रेस और फर्जी शिवसेना उन्हीं लोगों को महाराष्ट्र में रैलियों के लिए बुला रही हैं। इससे पहले शिवसेना नेता संजय राउत ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे द्वारा भाजपा को बिना शर्त समर्थन देने के पीछे के मकसद पर सवाल उठाया और दावा किया कि हो सकता है कि कोई फाइल खोली गई हो। अब अचानक ऐसा कौन सा चमत्कार हो गया, ये तो हमें उनसे (राज ठाकरे) से पूछना चाहिए। आप अचानक पलट गए हैं और महाराष्ट्र के दुश्मनों का समर्थन कर रहे हैं, आप जनता को क्या बताएंगे? आखिर इसकी वजह क्या है? कौन सी फ़ाइल खोली गई है? उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे ने भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राकांपा के सत्तारूढ़ गठबंधन को बिना शर्त समर्थन दिया।

बीजेपी को नहीं दिखता किसानों का दुख-दर्द : अखिलेश यादव

एक भी वादा पीएम व सीएम ने नहीं किया पूरा

» वरुण गांधी के टिकट कटने की भी उठाई बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जनसभा की शुरुआत कर दी है। पीलीभीत में अपनी पहली चुनावी सभा में उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने वरुण गांधी और लखीमपुर कांड के बहाने किसानों को साधने की भी कोशिश की। उन्होंने लखीमपुर कांड की बात उठाकर किसानों के पुराने जख्मों को कुरेदने का भी प्रयास किया। कहा कि किसानों की आवाज उठाने के चलते भाजपा के सांसद वरुण गांधी मंच पर स्थान नहीं पा रहे हैं। अखिलेश ने लोकसभा चुनाव-2024 के प्रचार का आगाज तराई की धरती से किया।

पीलीभीत भाजपा का गढ़ माना जाता है, क्योंकि यहां की लोकसभा सीट के साथ-साथ सभी विधानसभा सीटों पर भी भाजपा का कब्जा है। यही वजह है कि सपा अध्यक्ष ने यहां जाति-धर्म से जुड़े किसी भी मुद्दे को छुआ तक नहीं। उन्होंने मुख्य रूप से किसानों के दर्द और भ्रष्टाचार पर ही वार किया। उन्होंने छुट्टा जानवरों और बाघों-तेंदुओं का सामना कर रहे किसानों की दुश्वारियों को सामने रखा। इसके माध्यम से वे यह भी बताना नहीं भूले कि भाजपा सरकार अपने वादे पूरे नहीं कर रही है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि सरकार बनने पर 15 दिन के अंदर छुट्टा पशुओं की समस्या का समाधान हो जाएगा लेकिन यह समस्या आज तक जस की तस बनी हुई है। ढाई साल पहले हुए लखीमपुर कांड का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों पर कार चढ़वाने वालों को दोबारा टिकट देकर सम्मानित किया जा रहा है।

किसानों के समर्थन में बोलने वालों के साथ होती है बदसलूकी

पिछले 30 वर्षों से पीलीभीत से मेनका गांधी और उनके पुत्र वरुण गांधी ही जीतते रहे हैं लेकिन भाजपा ने इस बार वरुण का टिकट काटकर यहां से पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा है। वरुण का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि जो किसान आंदोलन के समर्थन में बोलते थे, उनके साथ भाजपा ने क्या सुलूक किया, सबके सामने है। कुल मिलाकर अखिलेश ने वरुण समर्थकों के गुस्से को हवा देने का काम किया ताकि उसका रणनीतिक फायदा सपा को मिल सके। वहीं, भाजपा प्रत्याशी जितिन प्रसाद पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पीडब्ल्यूडी के ट्रांसफर घपले में दिल्ली से लाए गए इनके ओएसडी तक को हटाया गया। उन्होंने यहां भाईचारे की गंगा-जमुनी तहजीब की याद भी दिलाई।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मोदी की बात नहीं मुद्दे की बात हो : तेजस्वी

» बोले- राजद कलम तो भाजपा तलवार बांट रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गया जिले के टिकारी प्रखंड के मखपा खेल मैदान में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी के लिए चुनावी सभा को संबोधित किया। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप लोग जान रहे हैं कि चाचा जी पलट गए हैं लेकिन जहां भी रहे स्थिर रहे खुश रहे, बुजुर्ग हैं अभिभावक हैं। हमारा पूरा सम्मान है लेकिन भाजपा वालों ने उन्हें हाइजैक कर लिया है। भाजपा को लात मारकर आए तो हमलोगों ने मुख्यमंत्री बनाया।

हम मोदी की बात नहीं मुद्दे की बात करने आए हैं। हमने कमिटमेंट किया है तो नौकरी दिया। तेजस्वी यादव ने कहा कि उप मुख्यमंत्री रहते 17 महीने में 5 लाख लोगो को नौकरी देने का काम किया। लेकिन, अभी भी बेरोजगारी है। युवाओं ने पढ़ लिया, डिग्री तो ले ली लेकिन नौकरी नहीं मिल रही है। हमारा असली दुश्मन महंगाई ,गरीबी और बेरोजगारी है। क्षेत्रीय मुद्दा हावी है। इस पर चुनाव होना चाहिए। जब तक गांव और गांव वालो का विकास नहीं होगा तब तक देश का विकास नहीं हो सकता है।

बयानों के तीर से घायल हो रहे सूरमा

चुनावी रैली में पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार जारी, सारे विपक्ष ने पीएम मोदी पर तेज किए हमले

» बिहार में मीसा के बयान से भड़की बीजेपी

» अन्य राज्यों में भी नेताओं में तू-तू मैं-मैं जारी

गीताश्री

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं। नेताओं के सियासी तरकश से नए-नए बयानों के तीर छोड़े जा रहे है। कभी-कभी नेता ऐसे तीर छोड़ रहें हैं जो खुद ही उन्हें घायल कर रहे हैं। चुनावी रैलियों में विपक्ष के निशाने पर प्रधानमंत्री मोदी व बीजेपी है।

बिहार, बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक में पक्ष व विपक्ष एक-दूसरे पर हमलावर है। इसी क्रम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और पार्टी की लोकसभा उम्मीदवार मीसा भारती के उस बयान पर शुक्रवार को विवाद खड़ा हो गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा।

बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा : मीसा

अब मीसा ने पूरे मामले को शांत करने की कोशिश की है। आज उन्होंने कहा कि मैंने चुनावी बांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक टिप्पणी की। मैंने कहा था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम जांच कराएंगे और आरोपियों को सजा देंगे। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है। मीडिया बीजेपी का एजेंडा तय कर रहा है। मोदी पर निशाना साधते हुए मीसा ने कहा कि वह जब भी बिहार में होते हैं तो हमेशा हमारे परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। अगर देश की जनता ने इंडिया गठबंधन को केंद्र सरकार में आने का मौका दिया तो पीएम मोदी से लेकर सभी बीजेपी नेता सलाखों के पीछे होंगे।

विपक्ष को दिवास्वप्न देखना बंद करना होगा : रविशंकर

राजद नेता मीसा भारती की टिप्पणी पर बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार करते हुए कहा कि मीसा भारती को क्या हो गया है?...जिस महिला के पिता को चारा घोटाले में दोषी ठहराया गया है...मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि ऐसे बयान न दें...आपका परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है...आपको दिवास्वप्न देखना बंद करना होगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने कहा कि जब हम सत्ता में आएंगे तो सबसे पहले उनसे पूछा जाना चाहिए कि वे क्या सोचते हैं? उनका (राजद) चारा घोटाला जैसा घोटाला है। उन्होंने कागज के टुकड़े पर सड़क बना दी और उसे जमीन पर कभी लागू नहीं किया।

मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध किया : शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2014 और 2019 में पीएम मोदी के पीएम बनने का सबसे बड़ा कारण उत्तर प्रदेश था। उत्तर प्रदेश ने 2014 में 73 सीटें और 2019 में 65 सीटें दीं और इसलिए पीएम मोदी पूर्ण बहुमत के साथ पीएम बने। उन्होंने कहा कि हमें उन्हें तीसरी बार पीएम बनाना है, इस बार ना 73 चलेंगी ना 65 चलेंगी, इस बार 80 की 80 सीट मोदी की झोली में जाएंगी। शाह ने कहा कि मोदी जी ने 10 साल में देश की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना दी। आप तीसरी बार मोदी सरकार बना दो, मोदी की गारंटी है, इस बार भारत को हम तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बना देंगे। उन्होंने कहा कि आपने दो बार मोदी जी को चुना, मोदी जी ने सारे वादे पूरे किए। कभी राहुल बाबा हमारा मजाक उड़ाते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तिथि नहीं बताएंगे। 2019 में एक बार फिर आपने मोदी जी की सरकार बनाई। पांच साल में कोर्ट का फैसला भी आ गया, भूमिपूजन भी हुआ और 22 जनवरी को श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई।विपक्ष पर अपना हमला जारी रखते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस के खड़गे जी कहते हैं कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश वालों को कश्मीर से क्या लेना-देना। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि मुरादाबाद का बच्चा-बच्चा, कश्मीर के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 70 साल तक कांग्रेस धारा 370 को बच्चे की तरह अपनी गोद में खिलाती रही। आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया। आज शान से हमारा तिरंगा वहां लहरा रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में कश्मीर हमेशा के लिए भारत के साथ जुड़ गया है। भाजपा नेता ने दावा किया कि मोदी जी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध किया है। मोदी जी ने गरीबों का कल्याण करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उत्तर प्रदेश के लिए भी बहुत किया है। मैं यहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2013 में आया था। उस समय यहां पर डर, दंगे, गौ तस्करी और गुंडों का राज चलता था। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी ने 7 साल के अंदर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद करने का काम किया है। यहां से पलायन, माफियाराज और गौ तस्करी खत्म हो गई।

सैनिक स्कूलों के निजीकरण रोकें राष्ट्रपतिः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सैनिक स्कूलों के निजीकरण का आरोप लगाया। खरगे ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में बताया है कि सैनिक स्कूलों को निजी हाथों में देने से जुडी यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जरिए सामने आयी है। खरगे ने कहा कि सरकार ने अब तक ऐसे 40 सैनिक स्कूलों को खोलने को लेकर निजी लोगों के साथ व संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। उनमें से 62 प्रतिशत आरएसएस-भाजपा-संघ परिवार से संबंधित व्यक्तियों और संगठनों के साथ हस्ताक्षरित किए गए हैं। इसमें एक मुख्यमंत्री का परिवार, कई विधायक, भाजपा पदाधिकारी और आरएसएस नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मैं पूछता हूं कि क्या इसे प्रवेश स्तर पर सशस्त्र बलों को वैचारिक रूप से प्रेरित करने के लिए प्रभावी बनाया गया है? किसी भी राजनीतिक दल ने कभी ऐसा नहीं किया, क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को दलगत राजनीति से दूर रखने के लिए आम राष्ट्रीय सहमति है। इस निजीकरण नीति को पूरी तरह से वापस लिया जाए और रद्द किया जाए ताकि सशस्त्र बल स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे राष्ट्र की सेवा के लिए आवश्यक वांछित चरित्र, दृष्टि और सम्मान बरकरार रख सकें।

जयंत ने रालोद कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के प्रमुख जयंत सिंह चौधरी ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के साथ हाथ मिलाने के अपने फैसले का श्रेय केंद्र द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और अपने दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने को दिया। मुजफ्फरनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए, जयंत ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को शांत करने के लिए कहा कि भारत रत्न कोई छोटा पुरस्कार नहीं है और लोग अपने मान सम्मान के लिए सब कुछ बलिदान कर देते हैं। जयंत चौधरी ने कहा कि विपक्षी दल हमें हराना चाहते थे और इसलिए मैंने लोगों की सेवा के लिए राजनीति में कुछ कड़वे फैसले लिए हैं। एनडीए से हाथ मिलाने पर उन्होंने कहा कि सामाजिक जीवन में रणनीति होनी चाहिए। शतरंज की तरह राजनीति में भी ऐसी चाल होनी चाहिए कि विरोधी हमें हरा न सकें। उन्होंने कहा कि हम रालोद कार्यकर्ताओं का मान-सम्मान बनाये रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कृषि के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र में अभी भी विकास की जरूरत है। अब इस सरकार के पास दृढ़ इच्छा शक्ति है और उनकी नजर में कोई भी काम छोटा नहीं है। उन्होंने कहा, जो सरकार चौधरी साहब को भारत रत्न दे सकती है, वह किसानों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव 6 और 7 का गणित पढ़ा रहे हैं, लेकिन अब हम 1+1, 11 हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है। मुझे आपके लाभ के लिए काम करने का अधिकार है। आपने भगत सिंह के परिजनों का सम्मान किया था। मुझे चौधरी सूरजमल जी की भी याद आ रही है। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जयंत ने कहा कि ऐसे तीन क्षेत्र हैं जहां लोग मुझे जानते हैं। एक मथुरा, दूसरा बागपत जहां चौधरी चरण सिंह और अजित सिंह जीते। तीसरा, कैराना। तुम्हें इशारे से ही समझ जाना चाहिए। प्रमुख ने साफ किया कि बीजेपी कार्यकर्ता बागपत में कोई नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। लाठीचार्ज झेलने की जरूरत नहीं है। हम उनके साथ खड़े हैं। मैं उनकी मदद करता, लेकिन विपक्ष ने हमारी सीट काट दी। आपने जो पगड़ी पहनी है, वह आपका सम्मान है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सैनिकों से जुड़े संस्थानों पर न हो राजनीति!

सरकार ने अब तक ऐसे 40 सैनिक स्कूलों को खोलने को लेकर निजी लोगों के साथ व संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। उनमें से 62 प्रतिशत आरएसएस-भाजपा-संघ परिवार से संबंधित व्यक्तियों और संगठनों के साथ हस्ताक्षरित किए गए हैं। इसमें एक सीएम का परिवार, कई विधायक, भाजपा और आरएसएस नेता शामिल हैं। मैं पूछता हूं कि क्या इसे प्रवेश स्तर पर सशस्त्र बलों को वैचारिक रूप से प्रेरित करने के लिए प्रभावी बनाया गया है?

अभी अग्निवीर व अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार पर विपक्ष का हमला जारी है। बीजेपी को छोड़कर लगभग सभी विपक्षी दलों ने मोदी सरकार की इस योजना का विरोध किया। हालांकि सरकार उसको बढ़िया बता रही है पर विरोधी इस योजना पर सेना के राजनीतिकरण का अरोप लगा रहे हैं। अब नया विवाद सैनिक स्कूलों को लेकर हो गया है। कई दिग्गज नेताओं ने कहा कि सरकार इन विद्यालयों का निजीकरण करना चाहती है जो खतरनाक है। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रपति से भी गुहार लगाई है। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर सैनिक स्कूलों के निजीकरण का आरोप लगाया। खरगे ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में बताया है कि सैनिक स्कूलों को निजी हाथों में देने से जुडी यह जानकारी सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी के जरिए सामने आयी है। सरकार ने अब तक ऐसे 40 सैनिक स्कूलों को खोलने को लेकर निजी लोगों के साथ व संस्थाओं के साथ एमओयू किया है। उनमें से 62 प्रतिशत आरएसएस-भाजपा-संघ परिवार से संबंधित व्यक्तियों और संगठनों के साथ हस्ताक्षरित किए गए हैं। इसमें एक मुख्यमंत्री का परिवार, कई विधायक, भाजपा पदाधिकारी और आरएसएस नेता शामिल हैं। मैं पूछता हूं कि क्या इसे प्रवेश स्तर पर सशस्त्र बलों को वैचारिक रूप से प्रेरित करने के लिए प्रभावी बनाया गया है? किसी भी राजनीतिक दल ने कभी ऐसा नहीं किया, क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को दलगत राजनीति से दूर रखने के लिए आम राष्ट्रीय सहमति है। इस निजीकरण नीति को पूरी तरह से वापस लिया जाए और रद्द किया जाए ताकि सशस्त्र बल स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे राष्ट्र की सेवा के लिए आवश्यक वांछित चरित्र, दृष्टि और सम्मान बरकरार रख सकें। खरगे ने आजाद के बाद देश में सैनिक स्कूलों शुरू किए जाने की सोच को रेखांकित करते हुए कहा कि ये स्कूल भारत के पहले प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा 1961 में स्थापित किए गए थे। तभी से ये स्कूल सैन्य नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रतीक रहे हैं। कांग्रेस ने दावा किया कि एमओयू करने वाले लोगों में एक मुख्यमंत्री का परिवार, कई विधायक, बीजेपी पार्टी के पदाधिकारी और संघ के नेता शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था कि आजादी के बाद से ही अपने यहां सशस्त्र बलों को किसी भी पक्षपातपूर्ण राजनीति से दूर रखा गया है। हालांकि विपक्ष का कहना उचित है सेना से जुड़े संस्थानों को राजनीति दूर रखना चाहिए क्योंकि वह देश की रक्षा से जुड़े हुए मामले होते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धनतंत्र के बोझ से कसमसाता लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

शायद आपने भी देखा हो फेसबुक पर चक्कर लगाते उस संदेश को जिसमें आगाह किया गया है कि 4 जून तक यानी आम-चुनाव के परिणाम आने तक, पचास हजार की नकदी लेकर घूमने से बचें अन्यथा सरकारी एजेंसियों द्वारा परेशान किये जाने की आशंका बनी रहेगी। इस चेतावनी का मतलब समझना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं होना चाहिए। हर चुनाव के मौके पर इस आशय के समाचार मिलते रहे हैं कि फलां जगह इतना बेहिसाबी पैसा पकड़ा गया, फलां जगह उम्मीदवार मतदाता को पैसा बांटते देखा गया।

इस बीच शायद यह समाचार भी आपने देखा-पढ़ा होगा जिसमें देश की वित्तमंत्री को यह कहते हुए बताया गया है कि वे चाहते हुए भी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ सकतीं, क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने लायक पैसा नहीं है!

चुनाव जनतंत्र का उत्सव ही नहीं होता एक तरह से प्राण भी होता है। जनता की सार्थकता का एक पैमाना यह भी है कि मतदाता कितनी स्वतंत्रता और समझदारी से मतदान के द्वारा अपना प्रतिनिधि चुनता है। चुनाव लड़ने के लिए पैसे की आवश्यकता होती है, यह निर्विवाद है। मतदाता तक पहुंचने के लिए, उस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए ज़रूरी साधन बिना पैसे के नहीं जुट सकते। सवाल यहां कितने पैसे खर्च करने का है। चुनाव आयोग द्वारा लगाए गये अनुमान के आधार पर यह सीमा तय की गयी है कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार क्रमश: 75 लाख और 40 लाख रुपये खर्च कर सकता है। व्यवस्था यह भी की गयी है कि मतदान के बाद एक निश्चित अवधि में उम्मीदवारों द्वारा चुनाव में किये गये खर्च का पूरा ब्योरा देना होता है, और यदि यह खर्च तय सीमा से अधिक पाया जाता है तो चुनाव-परिणाम रद्द घोषित हो सकता है।

तो क्या हमारे यहां 75 अथवा 40 लाख रुपये में चुनाव लड़ा जा सकता है? इस प्रश्न का एक उत्तर तो यह है कि चुनाव खर्च की सीमा सिर्फ उम्मीदवार द्वारा खर्च की गयी राशि के लिए ही निर्धारित है, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार के लिए कितना भी खर्च करने के लिए स्वतंत्र हैं! इसीलिए सभी राजनीतिक दल अपने 'स्टार प्रचारकों' की सूची घोषित करते हैं और उनके द्वारा किया गया खर्च चुनाव-आयोग की जांच के अंतर्गत नहीं आता। यह स्टार प्रचारक चार्टर्ड विमान द्वारा यात्रा करते हैं, लंबे-चौड़े 'रोड शो' करते हैं,

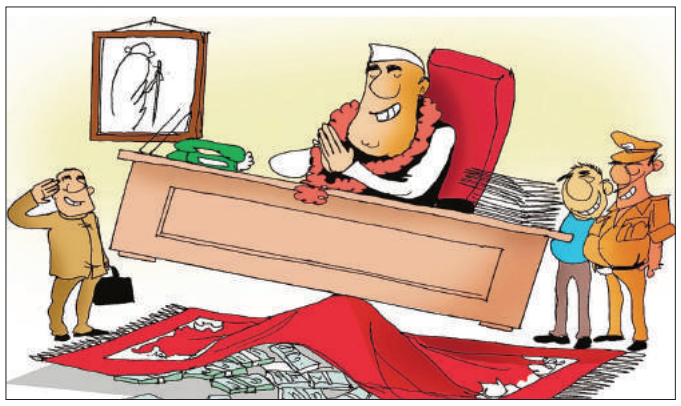

लाखों समर्थकों वाली रैलियां करते हैं। यह सारा खर्च राजनीतिक दल करते हैं। इसीलिए इन दलों द्वारा की गई 'उगाही' को लेकर सवाल उठते हैं। पूछा जाता है कि अक्सर सत्तारूढ़ दलों को अधिक चंदा मिलता है, इस बात की जांच क्यों नहीं होती कि सत्तारूढ़ दल, या बाकी दल भी, इस चंदे के बदले में चंदा देने वालों को अनुचित लाभ तो नहीं देते?

स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा जारी किए गए 'चुनावी बॉण्ड' इसलिए विवाद का विषय बने हैं कि इन बॉण्डों की अधिकतर राशि सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा के हिस्से में क्यों आयी है? लगातार घाटे में रहने वाले व्यावसायिक संस्थानों ने भी बढ़-चढ़कर यह चुनावी बॉण्ड क्यों खरीदे हैं और किस राजनीतिक दल के खाते में यह राशि पहुंची है? उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉण्डों की इस योजना को गैरकानूनी करार दिया जाना भी कुल मिलाकर चुनावी खर्चे से ही जुड़ा है!

पिछले कुछ सालों में राजनेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा चुनावों में खर्च की जाने वाली राशि को लेकर कई तरह के सुझाव दिये जाते रहे हैं। यह सवाल भी अक्सर उठा है कि चुनावों में होने वाला असीमित खर्च जनतंत्र में सबको समान अवसर की अवधारणा को ही सवालों के घेरे में नहीं ले आता?

ज्ञातव्य है कि आज देश की लगभग आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे का जीवन जी रही है। सरकारी पक्ष भले ही बीस करोड़ से अधिक लोगों को इस रेखा से ऊपर ले आने का दावा कर रहा हो, पर यह हकीकत अपने आप में भयावह है कि आज देश की अस्सी करोड़ जनता को सरकार द्वारा मुफ्त भोजन दिये जाने की ज़रूरत पड़ रही है। स्पष्ट है, अस्सी करोड़ लोग अपना पेट भरने लायक कमाई नहीं कर पा रहे हैं। विडंबना यह भी है कि मुफ्त खाद्यान्न दिये जाने की इस व्यवस्था को सत्तारूढ़ पक्ष अपनी उपलब्धि के रूप में भुना रहा है! सबको विकास का समान अवसर देने का दावा करता है जनतंत्र। चुनाव लड़ने के लिए भी समान अवसर जैसी कोई बात होनी चाहिए थी, पर विडंबना है कि हमारी व्यवस्था में ऐसी कोई बात नहीं है जो यह आश्वासन देती हो कि दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र होने का दावा करने वाले हमारे देश में हर नागरिक चुनाव लड़ सकता है। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी चुनावी-व्यवस्था पर बाहुबली और धनबली हावी हैं। देश का आम आदमी वोट भले ही दे सकता हो, और उसके वोट की कीमत भले ही उतनी ही हो जितनी 'खास आदमी' के वोट की होती है, पर यह आम आदमी चुनाव लड़कर आसानी से संसद में नहीं पहुंच सकता।

खिलौनों के वैश्विक बाज़ार में भारतीय दस्तक

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निस्संदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग नई ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है।

गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई खरीदार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीदारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खासतौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतर्राष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं।

अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगें लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृ? बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं।

सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें द इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में ब?ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कालाराम मंदिर

महाराष्ट्र के नासिक जिले में भगवान राम का खूबसूरत मंदिर है, जिसका नाम कालाराम मंदिर है। वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ पंचवटी में ही रुके थे। बाद में सरदार रंगारू ओढेकर ने इस स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया। इस बारे में एक कहानी प्रचलित है कि सरदार रंगारू को स्वप्न आया कि गोदावरी नदी में श्रीराम की काले रंग की मूर्ति है। उन्होंने अगले ही दिन मूर्ति निकालकर मंदिर में स्थापित की।

रघुनाथ मंदिर

उत्तरी भारत यानी जम्मू कश्मीर में प्रभु श्रीराम का काफी प्रसिद्ध रघुनाथ मंदिर स्थित है। वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालु रघुनाथ मंदिर जरूर जाना पसंद करते हैं। इस मंदिर में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ विराजमान है। यहां रामायण और महाभारत के पात्रों की झलक भी देखने को मिल जाती है।

राम नवमी

इन राम मंदिरों का करें दर्शन

चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 9 अप्रैल से शुरू हो रहा है। नौ दिवसीय इस पर्व के अंतिम दिन राम नवमी मनाई जाती है। इस वर्ष रामनवमी 17 अप्रैल 2024 को मनाई जा रही है। राम नवमी भगवान विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम की जयंती का पर्व है। इस दिन अयोध्या में राजा दशरथ के घर पर श्रीराम का जन्म हुआ था। अयोध्या राम जी की जन्मभूमि हैं, जहां वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ। इसके अलावा 14 वर्ष के वनवास के दौरान वह कई जगहों पर ठहरे और समुद्र मार्ग से होते हुए लंका तक पहुंचे, जहां उन्होंने लंका नरेश रावण का वध किया। राम नवमी के मौके पर अगर आप प्रभु श्रीराम के दर्शन करना चाहते हैं तो अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में जा सकते हैं। इसके अलावा देश में कई प्राचीन और भव्य राम मंदिर हैं, जहां आप दर्शन के लिए जा सकते हैं।

राम जन्मभूमि मंदिर

उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में राम जी का जन्म हुआ था। यहां श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और साल 2024 में ही मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई है। राम मंदिर के दर्शन के लिए विदेशों से लोग पहुंच रहे हैं। यहां राम जी बाल स्वरूप में विराजमान हैं। इस राम नवमी पर अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं।

राजा राम मंदिर

पूरे देश में एकमात्र स्थान है, जहां प्रभु राम की राजा राम के रूप में पूजा की जाती है। मध्य प्रदेश के ओरछा जिले में उनका महल जैसा मंदिर है। यहां साल भर भक्तों की भीड़ रहती है। रोजाना इस मंदिर में गार्ड ऑफ ऑनर देकर भगवान श्रीराम को शस्त्र सलामी दी जाती है।

रामास्वामी मंदिर

दक्षिण भारत में भी राम जी का भव्य मंदिर है। तमिलनाडु के रामास्वामी मंदिर में भगवान राम की पूजा होती है। अधिकतर मंदिरों में श्री राम के साथ माता सीता और लक्ष्मण जी की प्रतिमा होती है। रामास्वामी देश का एकमात्र मंदिर हैं, जहा श्री राम सीता जी, लक्ष्मण ही भरत और शत्रुघ्न विराजमान हैं। इस मंदिर की नक्काशी महाकाव्य रामायण के मुताबिक, घटित प्रसिद्ध घटनाओं को दर्शाती है।

हंसना मना है

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची। बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना। फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा, लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा। औरत ने पूछा- कितना खर्च आएगा? बाबा- तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता, लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना। औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख रुपये आता था, औरत भी चालाक थी। उसने कहा ठीक है बाबाजी, आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए, मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी। बाबा डेरे में ही बेहोश हो गए।

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है ,कितने का पड़ा? दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना, पड़ोसन- अभी अपने पति से रूठ जाती हूं।

पप्पू साइकिल से जा रहा था। अचानक एक लड़की से भिड़ गया। लड़की — घंटी नहीं मार सकता था, पप्पू — अबे मैंने पूरी साइकिल मार दी, अब क्या घंटी अलग से मारूं।

कहानी — तीन मछलियां

एक समय की बात है, एक घने जंगल के अंदर बड़ा-सा तालाब था। उस तालाब में बहुत सारी मछलियां रहती थीं, जिनमें से तीन मछलियां एक-दूसरे की पक्की दोस्ती थी। इन तीनों का स्वभाव बिलकुल अलग था। इनमें से दो बहुत समझदार थीं। पहली संकट आने के पहले ही अपना बचाव कर लेती थी। दूसरी संकट आने पर अपनी सुरक्षा कर लेती थी, जबकि तीसरी सब कुछ भाग्य पर छोड़ देती थी। तीसरी मछली कहती कि अगर भाग्य में संकट होगा, तो हम कुछ नहीं कर सकते और भाग्य में नहीं होगा, तो कोई भी हमारा कुछ नहीं कर सकता। एक दिन रास्ते से गुजर रहे एक मछुआरे ने उस तालाब को देख लिया। उसने देखा कि तालाब मछलियों से भरा पड़ा है। उसने तुरंत अपने बाकी साथियों को इस बारे में बताया। मछुआरे और उसके साथियों ने अगली सुबह यहां आने और उन मछलियों को पकड़ने का फैसला किया, लेकिन मछली ने मछुआरे और उसके साथियों के बीच की बातचीत सुन ली थी। उसने तुरंत तलाब में रहने वाली सभी मछलियों को इकट्ठा किया और सारी बात बता दी। पहली मछली बोली कि हो सकता है कि कल मछुआरे आकर हमें जाल में पकड़ कर ले जाएं। उससे पहले ही हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। तभी तीसरे नंबर की मछली बोली कि अगर वो कल नहीं आए तो? यह हमारा घर है, हम कैसे इसे छोड़ कर जा सकते हैं। अगर भाग्य में लिखा होगा, तो हम कहीं भी हों मारे जाएंगे और नहीं लिखा होगा, तो हमें कुछ नहीं होगा। कुछ मछलियों ने तीसरे नंबर की मछली की बात मान ली और वहीं रुक गईं। अन्य दो मछलियां तीसरी मछली को समझाने में असमर्थ थीं, इसलिए उन्होंने बाकी मछलियों के साथ तालाब छोड़ दिया। अगले दिन, मछुआरे और उसके साथियों ने अपना जाल डाला। जो मछलियां रह गईं थीं वे सभी पकड़ी गईं। जो मछलियां भाग गईं थीं उन सभी की जान बच गई और जो तालाब में रुक गईं थी वे सभी मछुआरों के द्वारा पकड़ ली गईं। मछुआरे ने उन्हें एक टोकरे में डाल दिया, जहां सभी तड़प तड़प के मर गईं।

कहानी से सीख- हमें कभी भी भाग्य के भरोसे नहीं रहना चाहिए। संकट आने के पहले ही उसे दूर करने का उपाय सोचकर रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें।

वृषभ

सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

मिथुन

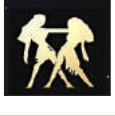

फालतू खर्च होगा। अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है।

कर्क

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

सिंह

कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

कन्या

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

तुला

नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा।

वृश्चिक

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

धनु

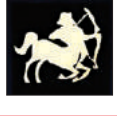

पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर

परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे।

कुम्भ

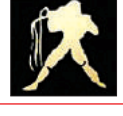

शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी।

मीन

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुनव्वर पर अंडे फेंके जाना गलत: एल्विश यादव

बिग बॉस 17 के विजेता मुनव्वर फारूकी अक्सर खबरों में रहते हैं। उनके साथ आए दिन नए-नए विवाद जुड़ रहे हैं। हाल ही में मुनव्वर पर अंडों से हमला किया गया। इस मामले में उनके फैंस ने उनका खुलकर समर्थन किया। अब इस मामले में बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मुनव्वर के साथ घटी इस घटना को बिल्कुल गलत ठहराया है।

हाल ही में एल्विश यादव को मुनव्वर फारूकी के विवाद पर बोलते देखा गया। एल्विश से पूछा गाय, हाल ही में मुनव्वर पर अंडे फेंके गए। क्या ऐसा कोई भी हादसा आपके साथ हुआ है? इस पर एल्विश ने कहा, मैंने कभी अपने साथ ऐसा मामला महसूस नहीं किया। लेकिन, हाल ही में जो हुआ वह बहुत गलत है। मैं ये नहीं बोलूंगा कि बहुत अच्छा किया या ट्रोल नहीं करूंगा। मैं ये जरूर बोलना चाहूंगा कि ऐसी स्थिति में इंसान अकेला पड़ जाता है। ऐसी स्थिति में बहुत खराब महसूस होता है कि लोग ऐसा कर रहे हैं। एल्विश ने आगे कहा, यह भी सच है कि कामयाबी के साथ अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोगों से सामना होता है। लेकिन ईश्वर की कृपा से हमारे साथ तो ऐसा कभी नहीं हुआ। हम चाहेंगे भी नहीं कि ऐसा हमारे साथ ऐसा हो। बाकी किसी के साथ भी ऐसा न हो। मालूम हो कि बीते दिनों मुनव्वर फारूकी एक रेस्टोरेंट गए, जहां अचानक उन पर अंडों से हमला होने लगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुनव्वर के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। हालांकि, बाद में मुनव्वर ने इस पूरे मामले पर आकर सफाई दी और अंड़े फेंके जाने की बात से इनकार किया। इंस्टाग्राम पर लाइव आकर मुनव्वर ने अंडे फेंके जाने वाली तमाम खबरों को झूठा बताया। उन्होंने कहा कि उन पर कोई भी हमला नहीं हुआ है। किसी ने भी उन पर अंडे नहीं फेंके। मुनव्वर ने बताया कि दो रेस्टोरेंट के बीच एक प्रतियोगिता चल रही थी, लेकिन इस दौरान एक ने विवाद का रूप ले लिया। मामला काफी ज्यादा बढ़ गया और इसी वजह से वहां लोगों ने एक-दूसरे पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए थे और लोगों को लगा कि उन पर अटेक हुआ है, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है।

हेमा आज भी स्टेज पर करती हैं परफॉर्म

बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी नेता कंगना रनौत ने अभी राजनीति में कदम रखा है। कंगना रनौत ने हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हिमाचल प्रदेश में अपने गृहनगर मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की है। कंगना ने अपनी साथी कलाकार और बीजेपी नेता हेमा मालिनी की तारीफ की है।

कंगना ने 20 साल पुराना वीडियो शेयर कर की तारीफ

कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री हेमा मालिनी को लेकर एक स्टोरी साझा की है। कंगना ने हेमा के 20 साल पुराने एक थ्रोबैक वीडियो को साझ किया है, जिसमें वह मंच पर प्रस्तुति देती नजर आ रही हैं। कंगना रनौत ने हेमा मालिनी की तारीफ करते हुए लिखा, आज भी हेमा जी स्टेज पर तीन से चार घंटों तक परफॉर्म करती हैं। जो लोग नृत्य, संगीत और कला का मजाक बनाते हैं, वो नीची और छोटी सोच रखते हैं। इसके आगे कंगना ने लिखा, देवलोक में अर्जुन ने भी नृत्य, संगीत और कला में शिक्षा ली थी। तभी तो वो नटराज कहलाते हैं। हेमा मालिनी का असली वीडियो ओल्ड इज गोल्ड के नाम से इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया था। कंगना ने आगे लिखा, मैंने 20 साल पुराना हेमा मालिनी का खूबसूरत वीडियो देखा, जिसमें वह भरतनाट्यम करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो साल 1986 का है। हेमा बेहद ही सुंदर ढंग, लगन और श्रद्धा के साथ भरतनाट्यम करती नजर आ रही है। इस पर एक यूजर ने कंगना के इस पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा, यह 1968 का नहीं है, क्योंकि उस समय तो हेमा फिल्मों में काम कर रही थी, बल्कि यह वीडियो 1960, 1964 या फिर 1965 का है। इस पोस्ट से कुछ समय पहले कंगना ने ऐसे लोगों पर अपना गुस्सा निकाला था जो लोग महिलाओं की इज्जत नहीं करते हैं। कंगना ने कहा था, अगर वह किसी जवान महिला को देखते हैं, तो वह उसके शरीर पर टिप्पणी करते है और अगर किसी 75 साल की बुजुर्ग महिला को देखते हैं, जो भरतनाट्यम नृत्यांगना है। उनको नचनिया या नर्तकी कहकर पुकारते हैं। इस तरह की गालियां दी जाती हैं। यहां तक कि वे किसी बुजुर्ग महिला को भी नहीं बख्शते। वे महिलाओं को किस तरह का जीवन जीना देना चाहते हैं? क्या यह बेहतर होगा कि वे अपनी कब्र खोदें और उसमें खुद को दफना दें।

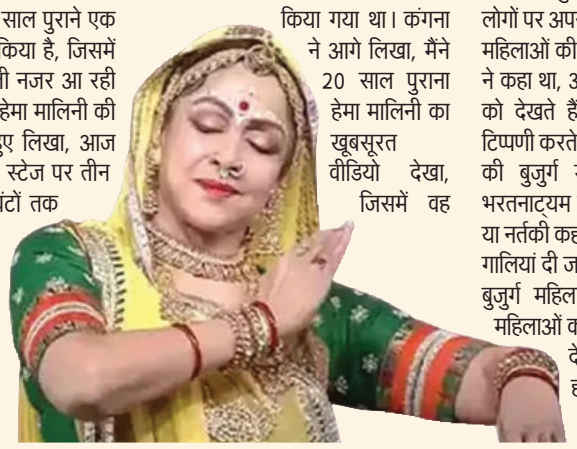

हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है: सोहेल

बॉलीवुड | मसाला

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान के लाडले बेटे अरहान इन दिनों सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल अरहान अपने शो डंब बिरयानी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस शो में अरहान अपने पिता अरबाज खान, चाचा सोहेल खान और सलमान खान से खुलकर बातें करते नजर आने वाले हैं। अरबाज खान के बेटे अरहान अपने नए पॉडकास्ट शो डंब बिरयानी के साथ दर्शकों के बीच आ चुके हैं। शो के पहले एपिसोड में अरहान अपने पिता और चाचा से शादी और रिश्तों के बारे में खुलकर बातें करते नजर आए। साथ ही साथ अरहान शो के दौरान सोहेल खान को सोहेल पापा बुलाते दिखे। सोहेल खान से जब अरहान ने पूछा कि कुछ रिश्ते क्यों नहीं चल पाते हैं। इस सवाल के जवाब में सोहल कहते हैं, हर रिश्ते की एक एक्सपायरी डेट होती है। जब हम किसी भी रिश्ते के लिए उत्साहित महसूस करना बंद कर देते हैं तब वह रिश्ता धीरे-धीरे टूटने लगता है।

वहीं अरबाज खान शादी और रिलेशनशिप पर बात करते हुए कहते हैं, जब आप किसी भी रिश्ते में खुद को हमेशा केंद्र में रखकर सोचने लग जाते हैं तब वह रिश्ता बिगड़ने लगता है। किसी भी रिश्ते में दोनों लोग महत्वपूर्ण होते हैं। अरहान अपने नए शो डंब बिरयानी को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अरहान के अलावा उनकी मां मलाइका और निर्देशक करण जौहर भी इस शो को लेकर खुश दिखाई दे रहे हैं। करण ने अरहान के फोटो पर कमेंट करते हुए लिखा है, मुझे उम्मीद है यह शो बहुत ही ज्यादा हिट होने वाला है। आपको बताते चलें कि मलाइका और अरबाज आपसी सहमति से अलग हो चुके हैं। वहीं सोहेल खान भी अपनी पत्नी सीमा से तलाक ले चुके हैं।

अजब-गजब | 50 हजार में ऑनलाइन खरीद लिया नया देश

अकेले रहता है मालिक, बिना पासपोर्ट नहीं है एंट्री!

दुनिया में ऐसे कई देश हैं जहां आप गए होंगे, कई ऐसे हैं जहां नहीं गए होंगे। उन तमाम जगहों पर जाने के लिए आपको पासपोर्ट की जरूरत पड़ेगी। पर क्या आपने कभी सुना है कि किसी देश की एक छोटी सी भूमि पर जाने के लिए भी पासपोर्ट दिखाना पड़े? ऐसा अमेरिका में होता है, जहां रेगिस्तान में मौजूद छोटी सी जमीन असल में एक अलग देश है। इस देश का मालिक यहां अकेला रहता है। उसके देश में घुसने के लिए पासपोर्ट की जरूरत होती है। हैरानी ये है कि उसने इस देश को ऑनलाइन खरीदा था, वो भी सिर्फ 50 हजार रुपये में! रिपोर्ट्स के अनुसार न्यूयॉर्क के रहने वाले एक आर्टिस्ट जैक लैंड्सबर्ग ने साल 2005 में अमेरिकी राज्य ऊटाह के रेगिस्तानी इलाके में 2 एकड़ की जमीन खरीदा था। उसने ये जमीन ऑनलाइन वेबसाइट ई-बे से सिर्फ 610 डॉलर यानी 50 हजार रुपये में खरीदा था। जब वो पहली बार इस जमीन को देखने गया, तो पहचान के लिए उनसे जमीन पर पीला और लाल रंग का झंडा लगा दिया। पर फिर उसे एक खयाल आया। खयाल था अपना खुद का देश बनाने का! अपने नाम से जोड़कर उसने नाम तय किया, जैकिस्तान। जैक ने रेकॉन टॉक नाम की वेबसाइट से बात करते हुए कहा था कि उन्होंने जब जमीन खरीदी थी, तब राजनीतिक तौर पर देश के बुरे दिन चल रहे थे। उन्हें लगा कि वो राजनेताओं से बेहतर ढंग से अपना देश चला सकते हैं। इस वजह से उन्होंने रेगिस्तान में कुछ नहीं से कुछ बनाना शुरू कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार जैक अब हर साल, कुछ दिनों के लिए जैकिस्तान जाते हैं और वहां पर आर्ट और क्राफ्ट से जुड़ी मजेदार चीजें बनाते हैं। उन्होंने अपनी जमीन पर पेट्रोल गेट बना लिया है, साथ ही रोबोट भी बनाया है। वो अपनी वेबसाइट से 40 डॉलर का असल पासपोर्ट बेचते हैं। वो इस जमीन पर मकान नहीं बनाना चाहते, क्योंकि यहां पानी का कोई सोर्स नहीं है। सबसे नजदीक का शहर मॉन्टेला करीब 100 किलोमीटर दूर है। जैक के कुछ खास दोस्त, जैकिस्तान के निवासी हैं। उन्होंने यहां का पासपोर्ट बनवाया है। वो अक्सर यहां जुटते हैं और मौज-मस्ती करते हैं। जैक ने अपने इस देश को सुधारने के लिए 8 लाख रुपये खर्च कर दिए हैं। हालांकि, यहां का मौसम बहुत खराब रहता है, दिन में भीषण गर्मी और रात में कड़ाके की ठंड पड़ती है। वो हर साल टैक्स देते हैं, ऐसे में वो जो कर रहे हैं, वो कहीं से भी गैरकानूनी नहीं है।

बीजेपी समर्थक निकले दूल्हा-दुल्हन कार्ड पर छपवाई मोदी की तस्वीर

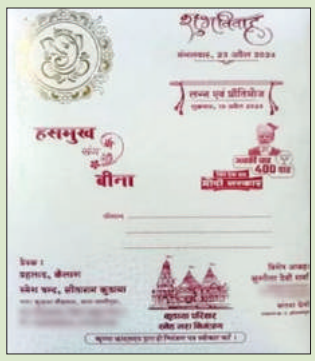

भारत में अप्रैल का महीना काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। लोकसभा चुनाव के बाद ये तय होगा कि आने वाले पांच साल कौन सी पार्टी सत्ता में रहेगी। कांग्रेस से लेकर बीजेपी तक, सभी पार्टियां अपना चुनाव प्रचार करने में जुटी है। इसी के साथ लोग भी अपने विश्वास की पार्टी को समर्थन देने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहे। जहां अप्रैल में चुनाव होने हैं, वहीं इस महीने लगन की वजह से कई शादियां भी होने वाली है। ऐसे में लोग अपने-अपने तरीके से चुनाव में सम्मलित होने की कोशिश में जुटे हुए हैं। सोशल मीडिया पर जयपुर की एक शादी का कार्ड खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, जिस कपल की शादी है, वो दोनों ही बीजेपी समर्थक हैं। इस वजह से उन्होंने अपनी शादी के कार्ड पर इस मौके को भुनाया है। उन्होंने कार्ड पर बीजेपी का चुनावी नारा, 'अबकी बार चार सौ पार, फिर एक बार मोदी सरकार' छपवाया है। जयपुर के इस कपल की शादी का कार्ड काफी चर्चा में है। ये वायरल शादी का कार्ड जयपुर के रहने वाले हसमुख और बीना का है। दोनों की शादी 23 अप्रैल को होनी है। लेकिन उनकी शादी की चर्चा अभी से होने लगी है। वजह बना उनका अनोखी शादी का कार्ड। कपल बीजेपी समर्थक है। उन्होंने अपनी कार्ड पर बीजेपी का इलेक्शन स्लोगन लिखवाने के अलावा पीएम मोदी की तस्वीर भी छपवाई है। साथ ही इसपर अयोध्या के राम मंदिर को भी प्रिंट करवाया है। इस बार अप्रैल में कई शादियां होने वाली है। साथ ही इस समय ही चुनाव होने हैं। ऐसे में कई कपल अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए लोगों को मतदान के लिए जागरूक कर रहे हैं। कुछ समय पहले वायरल हुए एक कार्ड पर लोगों से गिफ्ट लाने की जगह मतदान करने की रिक्वेस्ट की गई थी। वो कार्ड भी खूब वायरल हुआ था। अब इस बार तो कपल ने सीधे-सीधे मोदीजी की तस्वीर ही कार्ड पर छपवा डाली है।

आचार संहिता का उल्लंघन कर रही बीजेपी

» निर्वाचन आयोग से बोलीं ममता, सभी दलों को समान अवसर मुहैया कराएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और निर्वाचन आयोग से सभी दलों को समान अवसर मुहैया करने की अपील की। बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक फायदों के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

कूच बिहार और अलीपुरद्वार में रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग हालिया तूफान में जलपाईगुड़ी में नष्ट हुए मकानों को पुनर्निर्मित करने की अनुमति नहीं दे रहा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा, भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही है। वे लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के राजनीतिक एजेंडा को पूरा करने के लिए ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई और आयकर विभाग का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सभी आरोप बेबुनियाद : समिक

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग किए जाने के आरोप बेबुनियाद हैं। ए आरोप भ्रष्टाचार और अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश की है।

केंद्रीय जांच एजेंसियां और बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) और सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) जैसे अर्द्धसैनिक बल भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम निर्वाचन आयोग से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे कि सभी दलों को समान अवसर मिले।

सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने की चाल है

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के मुद्दे को लेकर भाजपा पर प्रहार करते हुए बनर्जी ने कहा कि सीएए के लिए आवेदन करने पर आवेदक को विदेशी घोषित कर दिया जाएगा और उन्होंने इसके प्रति आगाह किया। बनर्जी ने कहा, सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने की चाल है। जब आप (भाजपा) सीएए लागू कर देंगे, तो एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) भी लागू होगा। हम पश्चिम बंगाल में न तो सीएए और न ही एनआरसी लागू होने देंगे। उन्होंने सवाल किया कि यदि भविष्य में एनआरसी लागू करने की योजना नहीं है तो जनगणना विभाग के एक सदस्य को सीएए समिति में क्यों शामिल किया गया।

कूच बिहार सीट पर अपराधी को बीजेपी ने दिया टिकट

बनर्जी ने कूच बिहार सीट से एक ऐसे व्यक्ति को फिर से टिकट देने के लिए भी भाजपा की आलोचना की, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले है। उन्होने कूच बिहार से फिर से चुनाव लड़ रहे निसिथ प्रमाणिक के संदर्भ मे कहा, यह राष्ट्रीय शर्म की बात है कि एक व्यक्ति, जिनके खिलाफ कई मामले लंबित है, उन्हे गृह राज्य मंत्री नियुक्त किया गया। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल मे भाजपा के साथ हाथ मिलाने को लेकर विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलो--माकपा और कांग्रेस की भी आलोचना की। उन्होने लोगो से कहा, यदि आप भाजपा को हराना चाहते है तो कांग्रेस और माकपा को वोट न दे।

'भाजपा ने हर स्तर पर लोकतंत्र को सस्पेंड किया'

» कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से किया सवाल-जम्मू-कश्मीर में कब होंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जम्मू कश्मीर के उधमपुर में आयोजित रैली के बीच कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र को निलंबित करने का आरोप लगाया और पूछा कि वहां विधानसभा चुनाव कब होंगे?

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर के उधमपुर गए, जहां शासन की बागडोर अपने हाथ में रखने के लिए भाजपा सरकार ने हर स्तर के लोकतंत्र को सस्पेंड कर दिया है और चुनाव कराने से इनकार कर रही है। रमेश का यह सोशल मीडिया पोस्ट ऐसे समय में आया जब प्रधानमंत्री ने उधमपुर में अपनी रैली में कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का समय दूर नहीं है और केंद्र शासित प्रदेश के लोग जल्द ही मंत्रियों और विधायकों के साथ अपने मुद्दे साझा कर सकेंगे। 2022 के परिसीमन के बाद देरी के लिए केंद्र को दोषी ठहराया है।

चुनाव में देरी पर आयोग ने सरकार को दोषी ठहराया

रमेश ने कहा, लोकतंत्र को निलंबित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को चार प्रश्नों का जवाब देना चाहिए। रमेश ने कहा जब से भाजपा ने 2018 में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लिया, तब से यह पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य केंद्र सरकार के सीधे शासन के अधीन है। जम्मू-कश्मीर के लोग बिना किसी निर्वाचित सरकार के हैं। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव में देरी के कारण राज्यसभा की चार सीटें भी खाली हैं। केंद्र अक्सर चुनाव कराने में देरी के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराता रहा है, लेकिन अब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने पलटवार करते हुए 2022 के परिसीमन के बाद देरी के लिए केंद्र को दोषी ठहराया है।

हम लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रहे: कल्पना सोरेन

» बोलीं-तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द रिहा होंगे हेमंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को कहा कि जेल में बंद उनके पति ''तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द रिहा होंगे।'' कल्पना ने यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यालय में एक बैठक में भाग लेने के बाद कहा, हम लड़ेंगे, हम जीतेंगे। इस तरह की अटकलें हैं कि पार्टी कल्पना को गांडेय विधानसभा सीट से मैदान में उतार सकती है, जहां 20 मई को उपचुनाव होना है।

गिरिडीह जिले के अंतर्गत गांडेय सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। कल्पना ने बैठक के

बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''झामुमो का एक-एक सिपाही केंद्र की तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ रहा है। आज, भले ही हेमंत जी को झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया है, लेकिन वह जल्द ही तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द हमारे बीच होंगे। बैठक के बाद कल्पना ने पत्रकारों से कहा कि हमने लोकतंत्र और संविधान के बारे में बात की। हम लोकतंत्र, संविधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। कल्पना के पति हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जनवरी में कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

प्रदेश में तेज बारिश के साथ ओला गिरने के आसार

» मौसम विभाग का अलर्ट, आज और कल आंधी भी चलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर, चुर्क, गाजीपुर, सुल्तानपुर समेत आसपास के इलाकों में शुक्रवार को बूंदाबांदी भी हुई। वहीं लखनऊ में दोपहर बाद अचानक बादलों ने डेरा डाला और तेज हवाएं चलने लगीं। मौसम विभाग ने भी बीच 13 और 14 अप्रैल के लिए प्रदेश के कई इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आंधी-पानी, बिजली गिरने और ओलावृष्टि के भी आसार जताए हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के के मुताबिक, अगले दो दिन प्रदेश के कई इलाकों में बूंदाबांदी होने के आसार हैं। साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 30 से 40 किमी की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चल सकती हैं। साथ ही बिजली गिरने के भी आसार हैं। अलीगढ़, बदायूं, बागपत, बुलंदशहर, इटावा, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, जालौन, हाथरस, झांसी, ललितपुर, महोबा, मथुरा, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, संभल, शामली व आसपास के इलाकों में तेज झोंकेदार हवा, मेघ गर्जन व वज्रपात की संभावना। आगरा, अमरोहा, बरेली, बिजनौर, एटा, फिरोजाबाद, कासगंज, मुरादाबाद, पीलीभीत, रामपुर व आसपास बिजली गिरने के आसार हैं।

छाए रहेंगे बादल, कहीं कहीं पड़ सकती हैं फुहारें

लखनऊ। प्रदेश में बदल रहे मौसम का असर लखनऊ पर भी दिख सकता है। मौसम विभाग बादल छाए रहने के आसार जता रहा है। हालांकि आज कुछ विशेष बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन कहीं-कहीं बूंदाबांदी से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

दिल्ली के सामने घर में हारी लखनऊ

कैपिटल्स ने सुपरजायंट्स को 6 विकेट से हराया, कुलदीप की बेहतरीन गेंदबाजी, आयुष पर भारी पड़े जैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही ये दिल्ली की दूसरी जीत थी। जबकि लखनऊ की ये 5 मैच में से दूसरी हार है। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने आयुष बदोनी के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट खोकर 167 रन बनाए। जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम फ्रेजर के दमदार अर्धशतक की मदद से 11 गेंद शेष रहते हुए मैच जीत गई।

कुलदीप यादव (चार ओवर में 20 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जैक फ्रेजर मैकगुर्क (35 गेंद में 55 रन) और कप्तान ऋषभ पंत (24 गेंद में 41 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की। पंत और आईपीएल पदार्पण कर रहे मैकगुर्क ने तीसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 77 रन की साझेदारी की जिसमें पंत ने चार चौके और दो छक्के लगाये। ऑस्ट्रेलिया के 22 साल के मैकगुर्क ने अपनी पारी में दो चौके और पांच छक्के जड़े।

कुलदीप यादव ने चार ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट झटके

दिल्ली ने 18.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल किया लक्ष्य

एलएसजी की टीम को सात विकेट पर 167 रन रन पर रोकने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लखनऊ के लिए रवि बिश्नोई ने दो जबकि नवीन उल हक और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट लिया। आयुष बडोनी (नाबाद 55) की नाबाद अर्धशतकीय पारी और आठवें विकेट के लिए अरशद खान (नाबाद 20) के साथ 42 गेंद में 73 रन की अटूट साझेदारी से एलएसजी ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।बडोनी और अरशद की यह साझेदारी आईपीएल इतिहास में आठवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।'प्लेयर ऑफ द मैच' कुलदीप की शानदार गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम 13 ओवर के बाद 94 रन पर सात विकेट गवांकर संघर्ष कर रही थी लेकिन बडोनी ने 35 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

वाह रे योगी की मित्र पुलिस और उसका कारनामा

अवैध कब्जे को लेकर दर-दर भटक रही महिला

एसटीएफ के दबंग अफसर ने किया कब्जा, करा रहे निर्माण, पुलिस कमिश्नर से एफआईआर दर्ज कराने की लगा रही गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक तरफ योगी सरकार अवैध कब्जे करनेवालों के घरों पर बुल्डोजर चला रही, तो दूसरी तरफ उन्हीं के पुलिस के कुछ आलाधिकारी जमीनों पर अवैध कब्जे कर रहे है। जब पीड़ित उनसें गुहार कर रही है तो धमकी तक दे रहें है कि जो करना है कर लो जमीन पर से कब्जा तो नहीं छोड़ूगा। वहीं उल्टे भुक्तभोगी को ही मुकद्में में फंसाने का डर दिखा रहे हैं। इन सब मामले को लेकर पीड़िता ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है।

मामला लखनऊ का है। अपने शिकायत में प्रार्थिनी निधि मिश्रा पुत्री बी.एन. मिश्रा टावर संख्या बी/1209 डीएलएफ गोमती नगर लखनऊ की निवासिनी ने कहा है उनका एक भूखण्डा नं.-245,249,201,263 हुसड़िया वार्ड राजीव गांधी थाना गोमतीनगर विस्तार निकट खरगापुर क्रॉसिंग गोमती नगर लखनऊ में स्थित है। उक्त भूखंड पर दबंग किस्म के व्यक्ति अवैध कब्जा कर रहे थे, जब मैंने उनको रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने कहा की ये भू-खण्ड मेरा है और मेरे साथ गाली गलौच की। निधि ने बताया शैलेश कुमार तथा संतोष वर्मा तथा उनके सात-आठ अपराधी किस्म के साथियों ने उनकी जमीन पर कब्जा किया है। जब मैंने उन्हे रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने कहा कि उनके चाचा धर्मेश शाही एसटीएफ पुलिस में बड़े अधिकारी है और लखनऊ में एनकांउटर स्पेशलिस्ट के नाम से मशहूर है। उन्होंने धमकाते हुए कहा अगर यह भूखंड तुम्हारा है तो भी इसे भूल जाओ।

शाही ने कहा-जहां चाहो वहां शिकायत करवा दो

निधी मिश्रा ने कहा मैंने स्वयं एसटीएफ कार्यालय में धर्मेश शाही से मुलाकत की। मुलाकात के समय धर्मेश शाही अपने टेबल पर रिवाल्वर रखे हुये थे तथा मेरे द्वारा उक्त भू-खण्ड के हमारे मालिकाना हक के सरकारी दस्तावेज दिखाये जाने के बाद भी उन्होंने ने कहा कि हाँ वह भू-खण्ड मेरे ही कब्जे में है, जिसको मेरा भॉजा शैलेश कुमार बनवा रहा है। आप उस भू-खण्ड को भूल जाइये जहां चाहे वहां मेरी शिकायत कर दीजिये, चाहे न्यायालय चली जाइये, आप मेरा कब्जा खाली नहीं करा पायेंगी। देखियेगा ज्यादा मेरा भू-खण्ड, मेरा भू-खण्ड चिल्लाने से कहीं आपके विरुद्ध मैं खुद ही मुकदमा न लिखवा दूँ।

डीसीपी को दे चुकी हूं पत्र

निधि ने अपने साथ घटी धोखाधड़ी व छलकपट से परेशान होकर सम्बन्धित डीसीपी (प्रबल प्रताप सिंह) को भी पूर्व में प्रार्थना-पत्र दे चुकी है। किन्तु धर्मेश शाही स्वयं दबंग पुलिस अधिकारी है इस वजह से उक्त प्रार्थना-पत्र पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उल्टा भू-खण्ड पर अवैध कब्जा अब भी बरकरार है।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में अरेस्ट हुए दो संदिग्धों को रिमांड पर बेंगलुरु लाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरुके रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट के मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा कोलकाता से गिरफ्तार किए गए दो मुख्य आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर यहां लाया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। दोनों आरोपियों को नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाया जाएगा, जिसके बाद उन्हें यहां स्थित एनआईए अदालत में पेश किया जाएगा।

कोलकाता की एक अदालत ने विस्फोट मामले में दोनों आरोपियों को शुक्रवार को तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भेजा था और एनआईए को उन्हें कर्नाटक की राजधानी लाने की अनुमति दी थी। एनआई ने आरोपियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और ए मथीन अहमद ताहा को यहां रामेश्वरम कैफे में एक मार्च को हुए विस्फोट में उनकी कथित भूमिका के लिए कोलकाता से गिरफ्तार किया था। इस विस्फोट में 10 लोग घायल हो गए थे। एनआईए के अनुसार, शाजिब ने कैफे में विस्फोटक रखा था और ताहा विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने का मुख्य साजिशकर्ता है। एनआईए ने पिछले महीने इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी में मददगार साबित होने वाली सूचना देने वाले को 10-10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। बेंगलुरु में ब्रुकफील्ड के आईटीपीएल रोड स्थित कैफे में एक मार्च को विस्फोट हुआ था और तीन मार्च को एनआईए ने इस मामले की जांच का जिम्मा संभाल लिया था।

बिहार में खुशहाली लाएगी राजद: तेजस्वी

आरजेडी ने जारी किया घोषणापत्र, एक करोड़ नौजवानों को मिलेगी सरकारी नौकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी कर दिया है, जिसमें उन्होंने परिवर्तन पत्र नाम दिया है। इसमें पार्टी की ओर से 24 वचन दिए गए हैं।

पार्टी ने एक करोड़ नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। इसी के तहत तीन लाख रिक्त पदों को भरने के अलावा 70 लाख पदों का सृजन करने का वादा किया है। साथ ही रक्षाबंधन पर गरीब परिवार की बहनों को 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। गैस सिलेंडर का दाम 500 रुपये फिक्स किया जाएगा। पुरानी पेंशन योजना को लागू करने और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का वादा भी घोषणापत्र में किया गया है। आरजेडी ने घोषणापत्र में राज्य को विशेष पैकेज देने की बात की कही है और साथ ही दस फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलवाने का वादा भी किया है। अग्निवीर योजना को बंद करने और ड्यूटी के दौरान मारे गए अर्ध सैनिक बलों के जवानों को शहीद का दर्जा देने की बात भी इस घोषणापत्र में है।

राज्य को देंगे विशेष पैकेज

सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक दृष्टिकोण से एवं आबादी में देश का तीसरा सबसे बड़ा राज्य तथा पिछड़ा राज्य होने के कारण आगामी 5 वर्षों में बिहार में चौमुखी विकास के लिए 1 लाख 60 हजार करोड़ की विशेष वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस वित्तीय राशि का लोकसभा क्षेत्रों में समानुपातिक रूप से वितरण किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र को 4000 करोड़ रुपये की विशेष धनराशि मिलेगी।

सूचना आयोग व निर्वाचन आयोग आए आमने-सामने

» ईवीएम पर आरटीआई का जवाब नहीं देने पर की खिंचाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत मांगी गई एक जानकारी निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा नहीं दिए जाने पर गहरी नाराजगी जताई है। इस आवदेन में चुनाव के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर्स वेरीफाइबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की विश्वसनीयता के सवाल पर प्रतिष्ठित नागरिकों द्वारा दिए गए प्रतिवेदन पर की गई कार्रवाई के बारे में पूछा गया था।

सीआईसी ने इसे कानून का घोर उल्लंघन करार देते हुए निर्वाचन आयोग को लिखित स्पष्टीकरण देने का भी निर्देश दिया है। ईवीएम और वीवीपैट एवं मतगणना प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर दिए गए प्रतिवेदन पर हस्ताक्षर करने वालों में शामिल

पूर्व आईएएस अधिकारी एम. जी. देवसहायम ने आरटीआई कानून के तहत आवेदन देकर आयोग से प्रतिवेदन पर की गई कार्रवाई के बारे में पूछा था। प्रतिवेदन दो मई, 2022 को आयोग को भेजा गया था, जबकि देवसहायम ने 22 नवंबर, 2022 को आरटीआई आवेदन के माध्यम से आयोग से जानना चाहा कि किन-किन व्यक्तियों और अधिकारियों को प्रतिवेदन अग्रसारित किया गया था। उन्होंने इस मसले पर हुई किसी भी बैठक का विस्तृत ब्योरा और प्रासंगिक फाइल नोटिंग की जानकारी भी मांगी थी। निर्वाचन आयोग ने अनिवार्य 10 दिन की अवधि के भीतर उन्हें कोई जवाब नहीं दिया और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष देवसहायम की पहली अपील भी नहीं सुनी गई। इसके बाद, उन्होंने आयोग से जवाब न मिलने का हवाला देते हुए दूसरी अपील के साथ सीआईसी का दरवाजा खटखटाया था।

पीआईओ के आचरण के प्रति गंभीर नाराजगी

जब मुख्य सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया ने पूछताछ की, तो निर्वाचन आयोग के केंद्रीय सार्वजनिक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) इस बात पर संतोषजनक जवाब देने में विफल रहे कि देवसहायम को कोई जवाब क्यों नही दिया गया। सामरिया ने कहा, सुनवाई के दौरान मामले के रिकॉर्ड और दलीलों के अवलोकन के बाद आयोग आरटीआई अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन का कोई जवाब न देने पर तत्कालीन पीआईओ के आचरण के प्रति गंभीर नाराजगी व्यक्त करता है। इसलिए, आयोग मौजूदा पीआईओ के माध्यम से तत्कालीन पीआईओ को निर्देश देता है कि वह आरटीआई के प्रावधानो के घोर उल्लंघन को लेकर अपना स्पष्टीकरण दाखिल करे। उन्होने कहा कि यदि चूक के लिए अन्य लोग भी जिम्मेदार है, तो सीपीआईओ उन्हे आदेश की एक प्रति देगे और यह सुनिश्चित करेगे कि ऐसे लोगो की लिखित दलीले सीआईसी को भेजी जाएं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।